Date
18/05/202.

Pedagogy of Physical Science
Pedagogy of Mathematics
Pedagogy of Biological Science

B.Ed. Ist Year
Period- IV th

Topic- परीक्षणों के प्रकार

छात्रों का मूल्यांकन करने के लिये विभिन्न प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग किया जाता है। परीक्षणों का वर्णन इस प्रकार है।

1 ⇒ निदानात्मक परीक्षण
2 ⇒ उपलब्धि परीक्षण
3 ⇒ उपचारात्मक परीक्षण

1 निदानात्मक परीक्षण ⇒

शैक्षिक मापन तभी पूर्ण समझा जाता है, जब उपलब्धि परीक्षा के बाद कमजोर छात्रों को निदानात्मक परीक्षा भी दी जाय जिससे उनकी अधिगम कठिनाइयों के कारणों की जानकारी हो सके। नैदानिक परीक्षा वह परीक्षा होती है जो इस बात का निदान करती है कि बालक किन परिस्थितियों में गलतियां करते है। उनकी त्रुटि या गलती किस प्रकार की है, गलतियां करने के क्या कारण है आदि। इनका उद्देश्य बालक की गलतियों एवं कमजोरियों का पता लगाना है।

Scanned with CamScanner

परिभाषा

1- गुड के अनुसार, "निदान का अर्थ है - अधिगम सम्बन्धी कठिनाइयों और कमियों के स्वरूप का निर्धारण"

2- योकम व सिम्पसन के अनुसार

"निदानात्मक परीक्षण वह साधन है जो शिक्षा वैज्ञानिकों के द्वारा छात्रों की कठिनाइयों को ज्ञात करने और यथासम्भव उन कठिनाइयों के कारणों को व्यक्त करने के लिये निर्मित किया गया है।"

निदानात्मक परीक्षणों की विशेषताएं =>

1- निदानात्मक परीक्षण विशिष्ट उद्देश्यों के अनुरूप होते है।

2- निदानात्मक परीक्षण पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग होते है।

3- निदानात्मक परीक्षण विद्यार्थियों की प्रगति का वस्तुनिष्ठ रूप से परीक्षण नहीं करते है।

4- निदानात्मक परीक्षण सीखने वाले की मानसिक प्रक्रिया के स्वरूप को बिल्कुल स्पष्ट कर देती है।

5- निदानात्मक परीक्षणों मे समय सीमा नहीं होती है।

Continue

Scanned with CamScanner